CNews सिटी चीफ

बिहार सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-111
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दुनिया करती जिसे सलाम, वो है भारत का सैनिक महान, रणभूमि में दुश्मन को जो चटाए धूल, वो है भारत का जवान।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार ,शुक्रवार 26 जुलाई 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बांग्लादेश की महिला बिहार में चला रही थी सेक्स रैकेट

पुलिस ने किया अरेस्ट..... पासपोर्ट भी जब्त

चन्दन कुमार चौबे | सिटी चीफ |

दरभंग, बिहार के दरभंगा में एक सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस सेक्स रैकेट का संचालन बांग्लादेश की महिला चला रही थी। इसके बाद पुलिस ने गुप्त सुचना के आधार पर रेड किया और देह व्यापार में संलिप्त इस बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। छापेमारी के दौरान एक अन्य लड़कियां भी पकड़ी गई है। जिससे पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा एक स्थानीय पुरुष को भी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। जानकरी के मुताबिक रिहायशी इलाके में महिला काफी समय से यह रैकेट चला रही थी जिसकी कानों कान खबर किसी को नहीं थी। अब लहेरियासराय थाना की पुलिस पुलिस को गुप्त सुचना हासिल हुई है। उसके बाद यह एक्शन लिया गया। पुलिस ने महिला का पासपोर्ट जब्त कर लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बेंता मोहल्ले में सेक्स रैकेट चल रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां छापेमारी की। पुलिस उस वक्त चौंक गयी जब उसे पता चला कि महिला बांग्लादेश के बांगर जिला की

रहने वाली है। वहीं, मामले की सूचना मिलने पर सिटी एसपी शुभम आर्य व सदर एसडीपीओ अमित कुमार जांच के लिए लहेरियासराय थाना पहुंचे। पूछताछ के बाद सिटी एसपी ने बताया कि दोनों सेक्स रैकेट चला रहे थे। कई युवती इनके संपर्क में रहती है। जांच के क्रम में कुछ युवतियों का भी नाम सामने आया है। ये लोगअधिकतर लोकल एरिया में ही देह व्यापार करवाते हैं। इनका बड़े पैमाने पर अवैध धंधा चलता है। यह गिरोह ऑनकॉल भी लड़कियां भेजता था। लड़कियों को होटल या अन्य स्थानों पर पहुंचाया जाता था।उधर, सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि आस पास के अन्य जिलों से भी इनका नेटवर्क जुड़े होने की बात सामने आई है। इन लोगों के मोबाइल की जांच की जा रही है। अभी तक जांच में कई लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस के द्वारा हरेक पहलू पर काम किया जा रहा है। सिटी एसपी ने बताया कि महिला बांग्लादेश से यहां कब और कैसे पहुंची, यहां कितने दिनों से रह रही है। फिलहाल इस सिलसिले में पूछताछ की जा रही है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक 3 लाख घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

पटना में निगरानी विभाग का बड़ा एक्शन

Photo - Arrested

चन्दन कुमार चौबे | सिटी चीफ |

पटना, पटना में निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है. कृषि भवन में निगरानी की यह कार्रवाई हुई है. जिसमें कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक के साथ दो लोगों को रंगे हाथ घूस लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है. निगरानी के इस एक्शन से कृषि विभाग में हलचल मच गई.जानकारी के अनुसार, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक (पटना प्रमंडल) विभू विद्यार्थी एवं प्रधान लिपिक सत्यनारायण कुमार को तीन लाख रुपया रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दबोचा गया है. यह कार्रवाई मीठापुर स्थित कृषि भवन में की गई है. बताया जा रहा है कि, निगरानी ने दोनों आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है. पटना में पहली बार किसी कृषि अधिकारी को तीन लाख रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है.अब तक मिली जानकारी के अनुसार, खाद बीज के दुकानदार से लाइसेंस मुहैया कराने के बदले रुपये की मांग की गई थी. इसकी शिकायत दुकानदार ने निगरानी विभाग में की. शिकायत के आधार पर मीठापुर स्थित कृषि विभाग में छापेमारी की. इसके बाद दोनों को दबोच लिया गया.यह पहला मामला नहीं है. इससे पहली भी राय के कई जिलों में निगरानी की रेड हुई है. जिसमें कई सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई है. बावजूद इसके लोग नजराना लेने से बाज नहीं आ रहे हैं.यहां यह बताना भी जरूरी है कि विपक्ष के नेता हमेशा यह आरोप लगाते हैं कि बिहार के सरकारी अधिकारी बिना नजराना (घूस) लिए काम नहीं करते हैं. सरकार को इसपर लगाम लगाने की आवश्यक्ता है.

शराबबंदी वाले बिहार में मछली की जगह तालाब में मिली ब्रांडेड शराब

ड्रोन की मदद से छापेमारी

चन्दन कुमार चौबे | सिटी चीफ

मुजफ्फरपुर, शराबबंदी वाले राय में अब मछली की जगह तालाब से शराब मिल रही है। मामला मुजफ्फरपुर का है जहां उत्पाद विभाग की टीम ने तालाब में छिपाकर रखे गये भारी मात्रा में ब्रांडेड विदेशी शराब बरामद किया है। तालाब में शराब की खेप मिलने से पुलिस भी हैरान रह गयी। बिहार में 8 साल पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी लागू कराई। कोई शराब ना पीये और ना बेचे इसे लेकर इस कानून को बनाया गया। लेकिन इस कानून के बनने के बावजूद शराब तस्कर अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं और ना ही पीने वाले ही सुधरने का नाम ले रहे हैं। धंधेबाज शराब बेचने और छिपाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। कभी गाड़ियों में तहखाना बनाकर शराब की तस्करी करते हैं तो कभी एम्बुलेंस का सहारा लेते हैं और भी कई तरह के तरीके इजाद करते हैं इस बार शराब माफिया ने तालाब को ही शराब का तहखाना बना दिया। मुजफ्फरपुर के करजा इलाके में तालाब से मछली की जगह शराब मिलने से पुलिस कर्मी भी हैरान रह गये। ड्रोन कैमरे की मदद से तालाब से 31 कार्टून विदेशी शराब जब्त किया गया। हालांकि छापेमारी की भनक धंधेबाजों को लग गयी थी जिसके कारण वो मौके से फरार हो गये। बताया जाता है कि उत्पाद विभाग की टीम को तालाब में शराब रखे जाने और इसकी बिक्री किये जाने की गुप्त सूचना मिली थी जिसके बाद एक टीम गठित कर ड्रोन की मदद से छापेमारी की गई। जिसके बाद तालाब में छिपाकर रखे गये 31 कार्टून शराब बरामद किया गया। वही ड्रोन को देखते ही धंधेबाज मौके से फरार हो गये। उत्पाद अधीक्षक विजय शेखर दुबे ने दावा किया है कि शराब तस्करों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। धंधेबाजों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बिहार में जातिगत राजनीति पर PK का बड़ा बयान, बोले

देश में ऐसा कोई मुख्यमंत्री नहीं जिनके जाति के लोग राय में सबसे अधिक हों, बिहार में बड़ी चालाकी से जाति लोगों के दिमाग में बैठाया गया है, ताकि नए लोग राजनीति में आकर प्रयास ही न करें

चन्दन कुमार चौबे | सिटी चीफ

पटना, जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने जाति पर अपनी राय रखते हुए कहा कि देश में चुनाव में जाति की प्रमुखता है, मैं यह नहीं कहता हूं कि जाति राजनीति में हावी नहीं है मगर जाति ही राजनीति को तय करती है इस बात में पूरी सचाई नहीं है। देश और बिहार में लोगों ने बहुत चालाकी से यह बात लोगों के दिमाग में बैठाई है ताकि नए लोग राजनीति में आकर प्रयास ही न करें। बिहार के लोगों ने कभी सोचा कि नीतीश कुमार के जाति के लोग बिहार में कितनी संख्या में रहते हैं? लालू यादव के जाति के कितने लोग बिहार में रहते हैं। मैं आपको एक आकड़ा देता हूं जब भी आपको लगे कि हमारे जाति के लोग जब अधिक होंगे तभी हम राजनीति कर सकते हैं, तो इस बात में आपको एक जरा भी सचाई नहीं दिखेगी। देश में अलग-अलग रायों में जितने भी मुख्यमंत्री हैं, उसमें कोई भी ऐसा मुख्यमंत्री नहीं है, जिसकी जाति उस राय में सबसे यादा हो। ये आपका हमारा भ्रम है कि हमारी जाति के अधिक लोग होने से ही हम राजनीति में आ सकते हैं। अगर पीतल और सोना रखा जाए तो किसी भी जाति के लोग हों वो सोना ही उठाएंगे। जन सुराज इसी सोना को खोजने में लगा है जिससे समाज का भला हो सके।

सम्राट का पत्ता साफ़, अब दिलीप जायसवाल संभालेंगे प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी

एक साल पहले ही चौधरी को मिली थी जिम्मेदारी

चन्दन कुमार चौबे | सिटी चीफ |

पटना, बिहार बीजेपी में बड़ा बदलाव हुआ है। पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी से सम्राट चौधरी को हटा दिया गया है। अब उनकी जगह इस कुर्सी पर दिलीप जायसवाल बैठेंगे। सम्राट चौधरी को महक एक ही साल में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी से हटा दिया गया है। दरअसल, केंद्रीय नेतृत्व ने बिहार बीजेपी में बड़ा उलटफेर हुआ है। बीजेपी ने प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी का पत्ता साफ करते हुए दिलीप जायसवाल को कमान सौंपी है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद दिलीप जायसवाल ने केंद्रीय नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुझे अभी बताया गया कि मैं बिहार भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना हूं । इसको लेकर मैं अपने आलाकमान और शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं कि मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी है। मालुम हो कि केंद्रीय नेतृत्व ने एक साल के भीतर ही प्रदेश अध्यक्ष के पद से सम्राट चौधरी को हटाने का फैसला ले लिया है। दिलीप जायसवाल अतिपिछड़ा वैश्य समाज से आते हैं और मोदी केबिनेट में सबसे पावरफुल नेता माने जाने वाले अमित शाह के भी करीबी नेता में एक गिने जाते हैं। दिलीप पहले भी बिहार भाजपा में सांगठनिक तौर पर 20 वर्षों तक भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे हैं। इस बार पार्टी ने उन्हें बिहार सरकार में मंत्री भी बनाया है। इसके बाद अब उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी दी गई है। उधर, भाजपा सूत्रों की माने तो सम्राट चौधरी का पत्ता साफ होने की वजह लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक वोट शिफ्टिंग नहीं करवाया जाना बताया जा रहा है। पार्टी में अंदुरूनी तौर पर इस बात की चर्चा तेज है कि सम्राट अपने भी समाज को साथ नहीं ला सके। लिहाजा केंद्रीय नेतृत्व उनसे नाराज हो गई और अब उन्हें इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया। इतना ही भाजपा की मातृ संगठन और विचार परिवार से जुड़े लोगों का भी यह कहना है कि चुनाव से पहले भी बैठकों का सम्राट को लेकर कुछ अछे फीडबैक निकल कर सामने नहीं आ रहे थे। जिसकी जानकारी उनको (सम्राट चौधरी)दी गई थी और चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने की सलाह भी उन्हें दी गई थी। लेकिन आशा के मुताबिक प्रदर्शन नहीं होने की वजह से केंद्रीय नेतृत्व ने यह निर्णय किया है।

शिक्षा विभाग में जल्द होगी अनुकंपा पर बहाली

बनेगा अलग कैडर.... मंत्री ने दिया निर्देश

चन्दन कुमार चौबे | सिटी चीफ

पटना, शिक्षा विभाग में अनुकंपा पर बहाली का इंतजार कर रहे लोगों के लिए यह काफी अछी खबर है। अब इसको लेकर शिक्षा मंत्री ने एक्शन मोड में काम करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही इस मामले में सरकार की तैयारी भी तेज हो गई है। अब जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक इस मामले को लेकर शिक्षा विभाग एक अलग कैडर बनाएगा। जिसके जरिए शिक्षा विभाग में अनुकंपा पर नियुक्ति की जाएगी। जानकारी के मुताबिक बहाली की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक नियमावली तैयार की जा रही है, जिसे जल्द ही राय कैबिनेट से स्वीकृति ली जाएगी। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद राय में यह लागू हो जाएगा। सेवा काल में मृत शिक्षकों के आश्रितों को अनुकंपा पर नियुक्ति की कार्रवाई चल रही है। इसी क्रम में यह निर्णय लिये गये हैं। नियमावली के लिए गठित कमेटी ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है। बताया जा रहा है कि सूबे के अलग -अलग जिलों के छह हजार से अधिक अनुकंपा के मामले लंबित हैं। इनकी नियुक्ति के लिए अगल कैडर बनाने का प्रस्ताव है, जिसे मल्टी टास्क लिया जा सकेगा। आश्रितों की योग्यता के आधार पर उनसे काम लिया जाएगा। अनुकंपा पर नियुक्ति के मामले लंबे समय से लंबित हैं। नियमावली में इसका विस्तार से जिक्र किया जा रहा है। विभागीय पदाधिकारी बताते हैं कि पूर्व में अनुकंपा पर नियुक्ति के लिए कोई ठोस नीति नहीं थी, जिस कारण काफी संख्या में इनके मामले लंबित हैं। मालूम हो कि स्थानांतरण और पदास्थापन को लेकर गठित कमेटी ही अनुकंपा पर नियुक्ति की नियमावली बना रही है। कमेटी के अध्यक्ष विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव हैं। शिक्षा विभाग में शिक्षक और कर्मियों के के सेवाकाल में निधन के बाद बड़ी संख्या में आश्रित नौकरी के इंतजार में है। पहले शिक्षक के निधन पर उनक आश्रित को शिक्षक की नौकरी दे दी जाती थी। लेकिन शिक्षा का अधिकार कानून लागू हो जाने के बाद शिक्षक पद पर बहाली के लिए प्रशिक्षण और टीईटी पास होना अनिवार्य कर दिया गया। इस वजह से बैकलॉगिंग की कतार बड़ी हो गई।

बिस्कोमान अध्यक्ष पद से हटाए गए राबड़ी देवी के मूंहबोले भाई राजद MLC सुनील सिंह

विधान परिषद से भी हो सकते हैं आउट

चन्दन कुमार चौबे | सिटी चीफ |

पटना, बिहार के राजद विधान पार्षद सुनील सिंह को बड़ा झटका लगा है। राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई को बिस्कोमान अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। इतना ही नहीं उनकी विधान परिषद की सदस्यता रद्द की जा सकती है। विधान परिषद की आचार समिति ने सुनील सिंह पर कार्रवाई की अनुशंसा की है। इसमें कहा गया है कि वे लगातार सदन के अंदर 4 बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं। 5वीं बैठक में वे आए, लेकिन अपने ऊपर लगे आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया। सुनील सिंह पर विधान परिषद के पिछले सत्र में सीएम नीतीश कुमार की मिमिक्री करने का आरोप लगा था जिसकी जांच विधान परिषद की आचार समिति को सौंपी गई थी। आचार समिति के अध्यक्ष की ओर से विधान परिषद में प्रतिवेदन रिपोर्ट पेश कर दिया गया है। सुनील सिंह पर जो आरोप लगे थे, उसे कमेटी जांच में सही पाया है। अब विधान परिषद सभापति अवधेश नारायण सिंह इस पर शुक्रवार को फैसला सुनाएंगे। जानकारी हो कि सुनील सिंह लगातार अपने सोशल मीडिया पोस्ट और मीडिया में बयान से चर्चा में रहते हैं। उनके बयान कई बार उनकी पार्टी के लिए भी मुश्किलें पैदा करते हैं। 2022 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सुनील सिंह के घर और दूसरे ठिकानों पर रेड मारा था। उस दौरान कहा गया था कि यह छापा लालू यादव के परिवार पर रेलवे में नौकरी के बदले जमीन लिखवाने को लेकर चल रहे मामलों की जांच से जुड़ा है। आपको बताते चलें कि शुक्रवार को सुनिल की सदस्यता समाप्त होने के बाद वर्ष भर के अंदर राजद की ओर से विधान परिषद में सदस्यता गंवाने वाले दूसरे सदस्य के रूप में नाम जुड़ जाएगा। इससे पहले राजद की अनुशंसा पर रामबली सिंह सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। समिति ने उनके खिलाफ रिपोर्ट तैयार कर दी है और शुक्रवार को इसकी घोषणा भी हो जाएगी। समिति ने कहा है कि डॉ. सुनील कुमार सिंह ने सदन के सदस्य बने रहने की पात्रता खो दी है।

ललन सिंह पर भड़कीं राबड़ी देवी

बोली-अपनी मां और औरत को कितना पढ़ाए हैं

चन्दन कुमार चौबे | सिटी चीफ |

पटना, बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है. विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होते ही आज राजद के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया. राजद के सदस्यों का साफ साफ कहना था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सदन की दलित महिला विधायक का अपमान किया है. साथ ही राजद के विधान पार्षद का कहना था कि जदयू सांसद व केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बारे में जो टिप्पणी की है वो गलत है. ललन सिंह के बयान को लेकर परिषद में जमकर हंगामा हुआ. हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही को ढाई बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया. इस दौरान राबड़ी देवी ने जमकर जदयू के सांसद ललन सिंह पर हमला किया है. उन्होंने कहा कि ललन सिंह जिस तरह की बात हमारे लिए बोल रहे हैं, वह पूरी तरह से महिलाओं का अपमान है.